फैक्स: संचार माध्यम की एक उपयोगी तकनीक

आज के वैज्ञानिक युग की एक अति उपयोगी उपलब्धि है फैक्स प्रणाली। यह सूचना तंत्र की महत्वपूर्ण व सन्देश भेजने की अति आधुनिक, त्वरित और सस्ती प्रणाली है जिससे ग्राफ, मुद्रित दस्तावेज, हस्तलिखित दस्तावेज, चार्ट, फोटो आदि को टेलीफोन के नेटवर्क द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर यथा स्वरुप भेजा जा सकता है। यथास्वरुप का अर्थ है कि प्राप्तकर्ता को सन्देश की एक ऐसी कापी प्राप्त होती है जो मूल कापी की फोटो कापी प्रतीत होती है।

संचार के इस माध्यम को आम भाषा में "फैक्स" एवं अग्रेजी में "फैसीमाइल" कहते हैं। इसका शाब्दिक अर्थ प्रतिलिपि है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि फैक्स के माध्यम से हम मूल प्रति की छायाप्रति दूसरे स्थान पर फैक्स मशीन के जरिये प्राप्त कर सकते हैं।

इसके द्वारा प्रेषक अपने दस्तावेज को मशीन में डालकर कोड नम्बर के आधार पर फैक्स मशीन पर लगे टैलीफोन को दबा देता है। इसके उपरान्त फैक्स मशीन इलैक्ट्रोनिक मशीन के प्रकाशीय स्कैनर जैसे उपकरणों द्वारा दिये गये दस्तावेज का निरीक्षण करती है और स्याही का तुलनात्मक अध्ययन करने वाले यन्त्र के सहयोग से उस दस्तावेज पर छपी काली/ सफेद जानकारी को विद्युत संकेतो में परिवर्तित कर देती है। इन विद्युत संकेतो को फिर टैलीफोन लाइन के द्वारा पूर्व निर्धारित स्थान पर भेजा जाता है जहां एक अन्य मशीन इन संकेतो को मूल रुप में ले आती है। प्रिन्टर पर छाप कर मूल दस्तावेज, चार्ट, ग्राफ, फोटो आदि की प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है।

संसार के विभिन्न देशों की फैक्स मशीनो में आपस में सामंजस्य है। फैक्स मशीन का प्रयोग पहले दस्तावेज भेजने में प्रयोग होता था परन्तु अब इसका उपयोग कोटेशन भेजने, मानचित्र भेजने व अन्य लिखित सूचना भेजने में भी बहुतायत प्रयोग होता है। फैक्स मशीन का मूल्य पन्द्रह हजार से दो लाख रुपये तक है।

मनोज गोयल, "शोध सहायक"